बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – १९ जून, २००५)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)	सत्संग प्रवीण - १	कुल प्राप्तांक : १००

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - प्रथम आवृत्ति, अप्रैल २००३

प्रश्न.१. निम्न में से किन्हीं दो विषयों के संदर्भ में शास्त्र के तीन-तीन प्रमाण दीजिए । (६ गुण)

१. दिव्यभाव रखना माया के बन्धन से मुक्ति या आत्यंतिक कल्याण के लिए आवश्यक है । २५
२. भगवान कर्ता कैसे हैं ? ६
३. साकार स्वरूप में रूचि । ११
४. ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता । १०७

प्रश्न.२. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (५ गुण)

१. जो जो जीव मेरी शरण में आए हैं ..... उन सबको अपना सर्वोपरि धाम प्राप्त करा दूँगा । ३९
२. ''ब्रह्मविद्याप्नोति परम्'' अर्थात् जो ब्रह्म को जानता है वह परब्रह्म को पाता है । ११२
३. वंदुं गुणातीतानंद स्वामी, जेही पर रीझे अंतर्यामी । १२६
४. मूर्तियाँ, शास्त्र और तीर्थ ये तीनों मिलकर भी एक साधु का निर्माण नहीं कर सकते, किन्तु जो बडे संत हैं वे मूर्ति, शास्त्र और तीर्थ ईन तीनों का निर्माण कर सकते हैं । ६८
५. दूसरा कोई ऐसे उपदेश नहीं दे सकता । जिसका ज्ञान वर्तन में न बदला हो, वह भला क्या बोल सकता है, और यदि बोले तो उसका कोई प्रभाव न पड़े । १४४

प्रश्न.३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । (४ गुण)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिये जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. जो मूर्तिमान होने पर भी वह व्यापक है । २०
   (अ) ब्रह्म तो एक देशस्थ हैं । सर्व देशीय नहीं हैं ।
   (ब) भगवान आकाश की तरह अरूप होते हुए व्यापक हैं ।
   (क) भगवान केवल एक स्थान पर हीं रहेते हैं ।
   (ड) भगवान केवल अक्षरधाम में ही है, अन्यत्र कहीं भी नहीं हैं ।
२. प्रकट भगवान या भगवान के संत के द्वारा मोक्ष ७५
   (अ) मले प्रभु प्रगट प्रमाण रे, कां तो तेना मलेल कल्याण रे...
   (ब) ईस भवसागर से पार उतारे हरि या हरि के दास ।
   (क) पण सौना कारण जेह, ते तो स्वामी सहजानंद एह ।
   (ड) मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम ।

प्रश्न.४. निम्न में से किन्हीं एक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (बारह पंक्ति में) (४ गुण)

१. सच्चे उपासक नित्यानंद स्वामी । ५५
२. चैत्री पूर्णिमा के उत्सव पर वरताल में गुणातीतानंद स्वामी ने अपनी पहचान बताई । १३५
३. हम नहीं तो हम जैसा रखेंगे । १३२
४. ''दादा खाचर के मकान की छत की खपरैलों का ध्यान करो ।'' प्रसंग समझाइए । ७५

प्रश्न.५. किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (८ गुण)

१. भगवान को निराकर समझने के रूप में किया गया पाप तो पंच महापापों की अपेक्षा से भी बहुत बड़ा पाप है । १४
२. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता । १०९

(पृष्ठ पलटिये)

३. गुणातीत संत की महिमा : विभिन्न शास्त्रों में । १००
४. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि - गुणातीतानंद स्वामी के अनुसार । ४१

प्रश्न.६. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (८ गुण)

१. शास्त्रों में प्रतिपादित शाब्दिक अभिव्यक्ति को एकान्तिक भक्त के सिवा अन्य कोई भी जीव नहीं समझ पाता । १६
२. जो एकांतिक भक्त है, उनका दैहिक मरण वस्तुतः मरण नहीं होता । ३०
३. शास्त्रीजी महाराज भोयका मालजी सोनी से मिलने गए । १४०
४. अवतारों में जो सामर्थ्य हैं, वह पुरुषोत्तम नारायण से ही हैं । ६२

प्रश्न.७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । (८ गुण)

(उपासना में क्या समझना ?)

१. सगुन और ..... सूक्ष्म से भी सूक्ष्म है । १५६
२. इस लोक में से अंतर्धान ..... पूर्ण रूप से प्रकट है । १५७
३. ऐसे प्रकट ब्रह्मस्वरूप ..... भक्ति का अधिकारी बन जाता है । १५७
४. अन्य अवतारों ..... स्पष्ट भेद है । १५६
५. श्रीजीमहाराज पूर्ण पुरुषोत्तमनारायण ..... प्रकट और दिव्य है । १५५

(उपासना में क्या न समझना ?)

१. आज्ञा का पालन ..... नहीं समझना चाहिए । १५९
२. अक्षरब्रह्म और ..... नहीं समझना चाहिए । १५८
३. वचनामृतादि ..... नहीं समझना चाहिए । १५९

प्रश्न.८. विस्तृत नोंध लिखिए । (५ गुण)

१. अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि । ३६

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम आवृत्ति, नवम्बर २००२ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - प्रथम आवृत्ति, नवम्बर २००३

प्रश्न.९. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (६ गुण)

१. ''तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है ।'' (स.वा.भा.-३) ८१
२. ''यज्ञनारायण हमें प्रत्यक्ष दर्शन देंगे या नहीं ?'' (स.वा.भा.-३) ५
३. ''अरे ! यह तो रेस का घोड़ा है ।'' (युगविभूति) ३३
४. ''गाडी को दाहिनी तरफ मोड़ दो ।'' (युगविभूति) ४६

प्रश्न.१०. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (६ गुण)

१. पर्वतभाई के हाथ से दही और रोटी गिर गए । (स.वा.भा.-३) ६९
२. राघव ने बैरागियों को बुरी तरह डांटा । (स.वा.भा.-३) २३
३. डेविड को ऐसा लगा कि जैसे यही आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा है । (युगविभूति) २४
४. दार-ए-सलाम हवाईअड्डे के अधिकारियों ने खेद व्यक्त किया और स्वामीश्री के चरणों में झूक गये । (युगविभूति) ३७

प्रश्न.११. निम्न विषय पर मुद्दासर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (८ गुण)

१. कुशलकुंवरबा की भक्ति । (स.वा.भा.-३) ५९

अथवा

१. श्रीजी के रास्ते के जानकार लालजी भगत । (स.वा.भा.-३) ३७
२. जीवन की अस्मिता का झंकार था । (युगविभूति) ५१

अथवा

२. आंदोलन बिना किसी शर्त के स्थगित हो गया । (युगविभूति) ६०

प्रश्न.१२. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । (६ गुण)

१. कुशलकुंवरबा के कौन-से दो विशेष नियम थे ? (स.वा.भा.-३) ५७

२. मुक्तानंद स्वामी ने पतिव्रता भक्ति से और प्रगटरूप की उपासना के बल पर कौन-से पद की रचना की ? (स.वा.भा.-३)२५
३. लड़के ने सेठानी से साफ साफ क्या कहा ? (स.वा.भा.-३) ७४
४. भगवान स्वामिनारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महात्मा गांधी ने क्या कहा था ? (युगविभूति) ७
५. प्रमुखस्वामी महाराज का विश्व में कौन-सी कौन-सी पार्लामेन्ट में सम्मान हुआ है ? (युगविभूति) १६
६. अमेरिका के भाविक श्री कोंग्सवेल ने स्वामीश्री से क्या प्रश्न किया ? (युगविभूति) २५

प्रश्न.१३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । (६ गुण)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. कुशलकुंवरबा ने महाराज की आरती उतारी । ६३
(अ) ११ बार (ब) २५ बार
(क) १५ बार (ड) २२ बार

२. पर्वतभाई की संतों के साथ कितनी अपार आत्मबुद्धि ! ७०
(अ) मेरा नियम है ।
(ब) महाराज ! बहुत देर हुई ।
(क) आप दादा खाचर के नोकर बनेंगे ।
(क) जैसे स्वामिनारायण ही हिसाब रखते थे ।

३. प्रमुखस्वामी ने की हुई प्रार्थना । (युगविभूति) ५९
(अ) बायपास सर्जरी के समय ।
(ब) लंडन में रात्रि के समय बारिस के लिए ।
(क) श्री फ्रेन्क के जीवन को शांतिमय बनाने के लिए ।
(ड) १९८१ के आंदोलन के सुखमय निर्णय के लिए ।

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१४. निम्न में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्तियों में निबंध लिखिए। (२० गुण)

१. गाढ अंधकार में चारित्र्य के दीपक - स्वामीश्री के आश्रित ।
२. नीलकंठ की हिमालय यात्रा ।
३. माला : साधना का विशिष्ट साधन ।

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १७ जुलाई, २००५ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १९ जून, २००५. परीक्षा - सत्संग प्रवीण - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

६०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।